दैनिक भास्कर 10/11/2024

कार्यशाला में भारतीय संस्कृति में धातु कर्म विज्ञान के योगदान के बारे में बताया

अम्बाला | जीएमएन कॉलेज के रसायन विभाग व आईकेएस सेल ने प्राचीन भारतीय धातु कर्म तकनीक विषय पर शनिवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रिंसिपल रोहित दत्त ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में धातु कर्म विज्ञान के योगदान और इसकी प्राचीन तकनीक को छात्रों व शिक्षकों के बीच प्रसारित करना रहा। इसमें आईआईएचएस (केयूके) के रसायन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार मुख्य वक्ता थे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भारतीय संस्कृति में धातुओं की खोज, परिष्करण और अनुप्रयोग का वैज्ञानिक दृष्टिकोण सदियों से विकसित हुआ है। उन्होंने लोहे, तांबे, कांस्य और अन्य धातुओं के शोध और उनके प्राचीन उपयोगों पर चर्चा की। कार्यशाला में समन्वयक की भूमिका डॉ. नेहा अग्रवाल ने निभाई। मंच संचालन डॉ. अनीश ने किया।